

1, 235, 17. पूयस्यान्नावः 84, 8. 135. 9. तनुप्रकाशेन — शशिनो RAGH. 3, 2. तनुवाग्विभव 1. 9. तनुरपि न ते दोषः AMAR. 27. अतनु *bedeutend, reichlich, gross*: अतनुषु विभवेषु ÇAK. 103. अतन्वोः श्रियमभ्युते MBH. 3, 6028. अतनुभूतिर्नृप इव BHART. 3, 89. अतनुत्तय RĀGA-TAR. 4, 317. compar. तनीयम् und तनुतर *überaus dünn, fein* u. s. w. BHĀG. P. 3, 8, 13. ततो देवास्तनीयांस इव परिशिशिपिरे ÇAT. BR. 2, 2, 9, 9. पत्न्युच्छानि तनीयासीव 8, 7, 2, 10. तनीयोऽञ्जनरेखया RĀGA-TAR. 1, 208. फलं मम तनीयोऽपि काष्मीरेषु भवेद्यदि 3, 223. तनुतरैः स्वेदान्मसः शीकरैः AMAR. 3. तनिष्ठ superl.: एतथा लोकानामत्तरिलोकिस्तनिष्ठः ÇAT. BR. 7, 1, 2, 20. 1, 8, 4, 16. Vgl. प्रतनु. — 2) m. N. pr. eines überaus abgemagerten Rshi MBH. 12, 4665. Vgl. तानव्य. — 3) f. तनुः तनुः ÇANT. 2, 12) und तनुः; nur die letztere Form in der älteren Sprache, während die spätere Sprache die mit der Kürze auch häufig gebraucht. Uṇ. 1, 81. Siddh. K. 248, b, 11. Vop. 4, 31. Im Veda ist तन्वम् (auch BHĀG. P. 3, 12, 33. तनुवम् 7, 9, 37; vgl. P. 6, 4, 77, Vārtt.), तन्वम् und तन्विव् gebräuchlicher als तनूम्, तन्वाम् und तन्वा-न्; तनुवा BHĀG. P. 3, 16, 22. 21, 20. 4, 5, 3. तन्वम् nom. und acc. pl. im Veda. a) *Leib, Körper; Person*, übrigens ohne Einschränkung auf die äussere Erscheinung; auch von Göttern gebraucht. AK. 2, 6, 2, 22. 3, 4, 18, 115. H. 363. H. a. n. MED. मिनाति श्रियं त्रिमा तनूनाम् RV. 4, 179, 1. श्रविस्तन्वं कृणुषे दृशे कम् 123, 11. 10. 124, 6. 2, 39, 2. समपच्यत तन्वस्तनूभिः AV. 14, 2, 32. RV. 10, 10, 3. ÇAT. BR. 3, 7, 4, 11. सं वः पृथतो तन्वर्ः सं मनीसि समु व्रता AV. 7, 74, 1. तन्वाइ विद्रिये RV. 3, 4, 6. यत्तै मूत्रं तन्वाइ रोचते 1, 140, 11. वन्दे हस्ते तन्वं वन्दे अग्रे 147, 2. 2, 36, 5. त्रठरे सोमं तन्वीइ सहेो महः 16, 2. मायाः कृणवानस्तन्वर्ः परि स्वाम् 3, 33, 8. बलं धेहि तनूषु नो बलमिन्द्रानकुत्सु नः 18. सं गच्छस्व तन्वो (von einem Gestorbenen) 10, 14, 8. 16, 5. VS. 2, 24. एते वै यज्ञस्यात्ये तन्वौ यदग्निश्च वि-क्षुश्च AIT. BR. 1, 1. प्रज्ञापतेर्विब्रस्ताद्रम्या तनूर्मध्यत उदक्रामत् ÇAT. BR. 7, 4, 1, 16. KĀTJ. ÇR. 5, 2, 14. — स्वाध्यायेन u. s. w. ब्राह्मीयं क्रियते तनुः M. 2, 28. अतपवन्योगतस्तनुम् 100, 4, 189. त्यक्त्वा तनुम् 6, 32. BHĀG. P. 3, 12, 33. KATHĀS. 8, 34. अग्नी ब्रह्मो तनुम् 21, 111. पुरा हि — ददाति कस्मैचिदन-रुते तनुम् (द्रौपदी) DRAUP. 6, 20. गन्धर्वीणां तनूषु R. 1, 16, 5, 6. (गिरयः) प्रवि-श्य तास्तास्तनवो (acc.) रमन्ते स्वेषु सानुषु HARIV. 3813. प्रत्युज्जगम्: प्रकर्षेण प्राणं तन्व (nom. pl.) इवागतम् BHĀG. P. 1, 13, 4. वरतनु adj. f. VOC. MĀLAV. 74. भार्या पुत्रः स्वका तनुः *die eigene Person* (vgl. b) M. 4, 134. vom Kör- per der Gestirne VARĀH. BRH. S. 3, 27. 28. 40. 4, 24. 29. 9, 45. 11, 8. 23. 20, 8. 46, 8 (9). SŪRJAS. 2, 52. तनुमिव कलामात्रशेषो हिमोशाः MRGH. 87. — b) *die eigene Person, das Selbst*; häufig die Stelle des pron. refl. ver- tretend (vgl. आत्मन्): (यन्मे ब्रह्म चक्रं) सद्यो सखायस्तन्वे तनूभिः RV. 1, 165, 11. तोकस्यं — तनूनाम् 2, 9, 2. 10, 4, 7. मा ह्यस्महि प्रज्ञया मा तनु-भिः 128, 5. स्वयं गातुं तन्वं इच्छमानम् 4, 18, 10. मृडया नस्तनूभ्यो मयस्ता- क्रम्यः कृधि AV. 1, 13, 2. तुर्याम् दस्युं तनूभिः RV. 5, 70, 3. यथायज्ञ क्रतुभि- र्देव देवानिवा यज्ञस्व तन्वम् *so opfere auch dir selbst* 10, 7, 6. 6, 11, 2. अत्र द्रुग्धानि पित्र्या सृजा नो ऽव या व्यं चकृमा तनूभिः 7, 86, 5. ते तन्वानास्त- नूस्त्र ब्रह्मवंशाननुत्तमान् *sich in Brahmanengeschlechtern fortpflanzend* HARIV. 2386. — c) *Wesen, Daseins- oder Erscheinungsform*: अयामग्निस्तनु-भिः संविदानः AV. 4, 13, 10. शिवया तन्वोर्प स्पशत त्वचं मे 1, 33, 4. यास्तै शिवा- स्तन्वो ज्ञातवेदः RV. 10, 16, 4. AV. 9, 2, 25. ये तै अग्रे शिवे तनूवौ — वारस्त- नुवः TBa. 1, 1, 3, 3. तिस्र उं ते अग्रे, तन्वः RV. 3, 20, 2. 10, 51, 1. VS. 4, 17. 3, 1.

8. ÇAT. BR. 2, 2, 4, 14. यार्ते प्राण प्रिया तनुः AV. 11, 4, 9. VS. 4, 2, 26. त एनं (अ- ग्रयः) शाक्ततनवो ऽभिद्रुता अग्निप्रीताः स्वर्गं लोकमभिवृत्ति AIT. BR. 8, 24. ÇAT. BR. 6, 1, 2, 17. ÇĀÑKB. ÇR. 3, 6, 3. KĀTJOP. 2, 23. प्रत्यक्षाभिः प्रस- वस्तनुभिर्वतु वस्ताभिर्ऽष्टाभिरीशः ÇAK. 1. सन्नेन नो वरदया तनुवा BHĀG. P. 3, 16, 22. 21, 20. घर्मस्य तन्वौ s. unter घर्म 4. und vgl. KĀTJ. ÇR. 26, 4, 10. LĀTJ. 1, 6, 25. — d) तनु *Haut* AK. 3, 4, 18, 115. H. a. n. MED. या त एषा ररात्वा तनुः *Stirnrunzeln* PĀ. Gn. 3, 13. — e) तनु in d. Astrol. *Bez. des ersten Hau- ses* VARĀH. LAGHŪ. 1, 15. 8, 6. fgg. BRH. 1, 15. 3, 4. 11, 10. 12, 4. 19(18), 1. Vgl. तनुगृह. — 4) f. तन्वी a) *ein schlankes, feingegliedertes Frauenzimmer* BHART. 1, 71. ÇAK. 19, 43. MĀLAV. 94. AMAR. 3. BRAHMA-P. 56, 4. VID. 141. Vgl. तन्वङ्गो. — b) N. pr. einer der Gemahlionen Kṛṣṇa's: शैव्यस्य च सुतो तन्वीम् HARIV. 6703. Viell. nur adj., da dieselbe 9179 मुदता ge- nannt wird. — c) *eine best. Pflanze* (s. शालपर्णी) RĀGĀN. im ÇKDR.; vgl. तन्वी. — d) N. eines Metrums (4 Mal — — — — —, — — — — —, — — — — —); die erste Cäsur kann auch fehlen) COLBR. Misc. Ess. II, 163 (XIX, 1).

तनुक (von तनु) 1) adj. *dünn*: सूत्र गापा यावादि zu P. 5, 4, 29. *klein*: माउल Suçr. 1, 296, 12. — 2) m. N. verschiedener Pflanzen: a) *Gristea tomentosa* Roxb. (ein Strauch). — b) *Terminalia bellerica* Roxb. — c) *der Zimmtbaum*. — 3) f. अत्र N. eines Baumes, *Diospyros embryopteris* Pers. NIGH. Pr.

तनुकूप (तनु + कूप) m. *Hautgrübchen, Schweissloch* WILS. तनुकीर (तनु + कीर) m. *Spondias mangifera* (आम्रातक) RĀGĀN. im ÇKDR. NIGH. Pr. Hier hat तनु viell. die Bed. von *Rinde (Haut)*.

तनुगृह (तनु + गृह) n. in der Astrol. *Bez. des ersten Hauses* (vgl. तनु 3, e) VARĀH. LAGHŪ. 3, 12. BRH. 6, 13.

तनुच्छद (तनु + छद) Vop. 26, 70. — Vgl. das folg. Wort.

तनुच्छद (तनु + छद) P. 6, 4, 96, Sch. 1) adj. *den Körper bedeckend*: पत्नीः — तनुच्छदैः R. 4, 63, 2. — 2) m. *Panzer, Harnisch*: मातलिस्तस्य माहिन्रमामोच तनुच्छदम् RAGH. 12, 86. शोषिताक्ततनुच्छदः adj. MBH. 3, 11755. योधिः काह्नीयसतनुच्छदैः 7, 4326. मगराज 12, 4424. RAGH. 9, 51.

तनुच्छाय (तनु + छाया) m. *eine Art Acacia* NIGH. Pr. = जालवर्चूरक RĀGĀN. im ÇKDR.

तनुज (तनु + ज) m. *Sohn* HALĀJ. im ÇKDR. PAÑKĀT. V. 22. BHĀG. P. 5, 9, 6. तनुजा f. *Tochter* ÇABDAR. im ÇKDR. — Vgl. तनुज्ज and आत्मज.

तनुता (von तनु) f. *tenuitas*: अन्वयसन्शीलस्य विद्येव तनुता गता मै- थिली R. 5, 19, 22. MEGH. 79. 83. SĀH. D. 79, 20. उपयैता तनुताम् — रज- नोवधूः RAGH. 9, 37. निशाकरस्तनुतो दुःखम् — मोदयति KUMĀRAS. 4, 13. अनुतो तनुतो चैव जनुतो कर्मभोगिनाम् HARIV. 11830. सर्वाणि तनुतो वा- त्ति जलानि जलदनये 3825. — Vgl. तनुव.

तनुत्यज् (तनु + त्यज्) adj. *seine Person aufgebend, sterbend*: वार्द्धके मुनिवृत्तीनां योगेनात्ते तनुत्यजाम् RAGH. 1, 8. *das Leben wagend, muthig dem Tode entgegengehend*, von Helien MBH. 4, 2354. RAGH. 7, 45. MĀLAV. 68, 17. BHĀG. P. 8, 20, 9. — Vgl. तनूत्यज्.

1. तनुत्याग (तनु + त्याग) m. *das Aufgeben des eigenen Selbst, das muthige Einsetzen des Lebens*: तनुत्यागो मृधेषु च R. 2, 40, 6.

2. तनुत्याग (wie eben) adj. *kärglich spendend, geizig* WILS.

तनुत्र (तनु Körper + त्र schützend) u. *Panzer, Harnisch* AK. 2, 8, 2,